JK

Roll No. ____________________________

Question Booklet Number

O.M.R. Serial No. : | | | | | | | |

M.A. IV Semester (NEP) Examination, 2025-26

SANSKRIT

(वेदान्त एवं उपनिषद दर्शन)

(Elective)

Paper Code							
A	0	2	1	0	1	0	T

Question Booklet Series
C

Time : 1 : 30 Hours] **[Maximum Marks : 75**

Instructions to the Examinee :

1. Do not open the booklet unless you are asked to do so.
2. The booklet contains 100 questions. Examinee is required to answer 75 questions in the OMR Answer-Sheet provided and not in the question booklet. **All** questions carry equal marks.
3. Examine the Booklet and the OMR Answer-Sheet very carefully before you proceed. Faulty question booklet due to missing or duplicate pages/questions or having any other discrepancy should be got immediately replaced.
4. Four alternative answers are mentioned for each question as – A, B, C & D in the booklet. The candidate has to choose the correct answer and mark the same in the OMR Answer-Sheet as per the direction :

(Remaining instructions on the last page)

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश :

1. प्रश्न-पुस्तिका को तब तक न खोलें जब तक आपसे कहा न जाए।
2. प्रश्न-पुस्तिका में 100 प्रश्न हैं। परीक्षार्थी को 75 प्रश्नों को केवल दी गई OMR आन्सर-शीट पर ही हल करना है, प्रश्न-पुस्तिका पर नहीं। **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं।
3. प्रश्नों के उत्तर अंकित करने से पूर्व प्रश्न-पुस्तिका तथा OMR आन्सर-शीट को सावधानीपूर्वक देख लें। दोषपूर्ण प्रश्न-पुस्तिका जिसमें कुछ भाग छपने से छूट गये हों या प्रश्न एक से अधिक बार छप गए हों या उसमें किसी अन्य प्रकार की कमी हो, तो उसे तुरन्त बदल लें।
4. प्रश्न-पुस्तिका में प्रत्येक प्रश्न के चार सम्भावित उत्तर- A, B, C तथा D हैं। परीक्षार्थी को उन चारों विकल्पों में से सही उत्तर छाँटना है। उत्तर को OMR उत्तर-पत्रक में सम्बन्धित प्रश्न संख्या में निम्न प्रकार भरना है :

(शेष निर्देश अन्तिम पृष्ठ पर)

Rough Work

रफ कार्य

1. आत्मतत्व के ज्ञान के उपरान्त हो जाता है-

(A) अश्रुत श्रुत के समान

(B) अमत मत के समान

(C) अविज्ञात विज्ञात के समान

(D) उपर्युक्त सभी

2. 'तत्वमसि' महावाक्य किस उपनिषद् में उपलब्ध होता है?

(A) मण्डूकोपनिषद्

(B) छान्दोग्य उपनिषद्

(C) कठोपनिषद्

(D) बृहदारण्यक उपनिषद्

3. सोलहवें खण्ड में किस दृष्टान्त से समझाया गया है?

(A) तप्तपरशु दृष्टान्त

(B) मुमूर्षु दृष्टान्त

(C) मधुकर दृष्टान्त

(D) न्यग्रोध दृष्टान्त

4. 'मुमूर्षु' व्यक्ति को घेरकर बान्धव गण क्या पूछते हैं?

(A) तेरे आभूषण कहाँ है

(B) तू मुझे जानता है

(C) तूने अपनी संपत्ति किसे दी

(D) तू कब मर जाएगा

5. 'मुमूर्षु' किसे कहते हैं-

(A) मरणासन्न व्यक्ति को

(B) मुरमुरे को

(C) मृत व्यक्ति को

(D) मोक्ष को

6. श्वेतकेतु के पिता ने उसे उपदेश दिया है-

(A) वेद का

(B) उपनिषद् का

(C) पुराण का

(D) आत्मतत्व का

7. वात-वित्त-कफ-रुधिर-मेद-मांसास्थि आदि से पूरित होता है-

(A) वन

(B) देह

(C) आत्मा

(D) तालाब

8. श्वेतकेतु के पिता ने उसे जल में क्या ढूँढने को कहा?

(A) बुद्धि

(B) रंग

(C) नमक

(D) शीतलता

9. 'न्यग्रोध' शब्द का अर्थ है-

(A) पीपल

(B) वटवृक्ष

(C) मौसमी

(D) अनानास

10. श्वेतकेतु के पिता उससे किस वृक्ष का फल मंगाते हैं?

(A) पीपल का

(B) बरगद का

(C) आम का

(D) अनार का

11. छान्दोग्य उपनिषद् में 'सोम्य' सम्बोधन प्रयुक्त है-

(A) उद्दालक के लिए

(B) आरुणि के लिए

(C) श्वेतकेतु के लिए

(D) अरुण के लिए

12. 'मशकः' शब्द का अर्थ है-

(A) मक्खी

(B) मच्छर

(C) मोर

(D) भालू

13. 'वृकः' शब्द का अर्थ है-

(A) बेर

(B) बरगद

(C) भेड़िया

(D) शेर

14. सुषुप्ति में सत् पदार्थों के ज्ञानाभाव को समझाने हेतु दृष्टान्त दिया गया है-

(A) मधुमक्खी का

(B) गूलर का

(C) भेड़ों का

(D) पक्षियों का

15. 'मज्जा' किसे कहते हैं?

(A) पतंग की डोर को

(B) डूबने को

(C) शरीर की धातु को

(D) दूध को

16. शरीर में धातुओं की संख्या मानी गई है-

(A) पाँच

(B) सात

(C) इक्कीस

(D) तैंतीस

17. उद्दालक हैं-

(A) श्वेतकेतु के पिता

(B) श्वेतकेतु के पुत्र

(C) आरुणि के पुत्र

(D) अरुण के पौत्र

18. छान्दोग्य उपनिषद् के अनुसार बिना भोजन किए केवल जल पीकर कितने दिन तक जीवित रह सकता है?

(A) दो दिन

(B) पन्द्रह दिन

(C) एक महीना

(D) नौ दिन

19. छान्दोग्य में पुरुष को कितनी कलाओं वाला कहा है?

(A) 64

(B) 18

(C) 16

(D) 34

20. अन्न के भक्षण से उत्पन्न मध्यम धातु है-

(A) पुरीष

(B) मांस

(C) मन

(D) उपर्युक्त में कोई नहीं

21. देवताओं के त्रिवृत्करण में कृष्ण रूप वाला बताया गया है-

(A) अग्नि

(B) जल

(C) अन्न

(D) उपर्युक्त में कोई नहीं

22. देवताओं के त्रिवृत्करण में रोहित रूप वाला है-

(A) अग्नि

(B) जल

(C) अन्न

(D) उपर्युक्त में कोई नहीं

23. देवताओं के त्रिवृत्तकरण में जल का रूप माना गया है-

(A) रोहित

(B) शुक्ल

(C) नील

(D) कृष्ण

24. छान्दोग्य में कितने देवताओं से नामरूपात्मक जगदुत्पत्ति की चर्चा है?

(A) दो

(B) तीन

(C) पाँच

(D) तैंतीस करोड़

25. स्वेदज के उदाहरण हैं-

(A) जूँ-मच्छर आदि

(B) मोर-कबूतर आदि

(C) गाय-घोड़ा आदि

(D) छिपकली-मगरमच्छ आदि

26. स्वेदज का अन्तर्भाव किया जाता है-

(A) अण्डज में

(B) उद्भिज्ज में

(C) उपर्युक्त दोनों में

(D) किसी में नहीं

27. उद्भिज्ज का उदाहरण है-

(A) पशु-मनुष्य आदि

(B) सर्प-पक्षी आदि

(C) लता-वृक्ष आदि

(D) मक्खी-मच्छर आदि

28. पुरुष एवं पशु किस श्रेणी में आते हैं?

(A) जरायुज

(B) अण्डज

(C) उद्भिज

(D) उपर्युक्त सभी

29. पक्षी किस श्रेणी में आते हैं-

(A) अण्डज

(B) जीवज

(C) उद्भिज्ज

(D) उपर्युक्त कोई नहीं

30. छान्दोग्य उपनिषद् में भूतों के कितने बीज माने गये हैं?

(A) एक

(B) दो

(C) तीन

(D) चार

31. अन्न विकार है-

(A) पृथिवी का

(B) वायु का

(C) आकाश का

(D) सूर्य का

32. 'कुलालः' शब्द का अर्थ है-

(A) घड़ा

(B) कुम्हार

(C) कलावा

(D) जनेऊ

33. 'सदेव सौम्येदमग्र आसीत्' वचन है-

(A) वेद का

(B) पुराण का

(C) उपनिषद् का

(D) दर्शन का

34. 'असतः सज्जायत' का अर्थ है-

(A) असत् से सत् की उत्पत्ति हुई

(B) असत्य पर सत्य की जीत होती है

(C) सत्य पर असत्य की जीत होती है

(D) उपर्युक्त सभी

35. श्वेतकेतु का पिता किस पदार्थ का दृष्टान्त देते हुए प्रश्न पूछता है?

(A) हाथी का

(B) मिट्टी का

(C) सुवर्ण का

(D) हिरण का

36. जानने योग्य सबसे प्रमुख तत्व बताया गया है-

(A) सम्पूर्ण वेदज्ञान

(B) पदार्थ ज्ञान

(C) आत्मतत्व ज्ञान

(D) आधुनिक विद्या ज्ञान

37. श्वेतकेतु को उसका पिता मानता है-

(A) अपने समान चरित्रवान्

(B) अपने से विपरीत स्वभाव वाला

(C) विनम्र एवं निरभिमानी

(D) मूर्ख या विद्याहीन

38. अध्ययन के उपरान्त गुरुकुल से घर लौटने पर श्वेतकेतु था-

(A) विनम्र

(B) उद्दण्ड

(C) शक्तिशाली

(D) निरभिमानी

39. श्वेतकेतु ने कितने वर्ष में सारे वेद पढ़ लिए?

(A) 12 वर्ष

(B) 22 वर्ष

(C) 15 वर्ष

(D) 10 वर्ष

40. श्वेतकेतु का उपनयन संस्कार कितने वर्ष में हुआ?

(A) आठ

(B) बारह

(C) अट्ठारह

(D) चौबीस

41. ब्रह्मबन्धु शब्द का अर्थ है-

(A) जो स्वयं ब्राह्मण है

(B) जो स्वयं ब्राह्मण न होकर ब्राह्मणों का बंधु है

(C) जो ब्रह्मा का भी बन्धु है

(D) जिसका बन्धु ब्रह्मा है

42. पिता ने श्वेतकेतु को किसका अनुष्ठान करने को कहा?

(A) अग्निहोत्र का

(B) ब्रह्मचर्य का

(C) गृहस्थ का

(D) ब्राह्मणों का

43. श्वेतकेतु के पितामह थे-

(A) अरुण

(B) आरुणेय

(C) आरुणि

(D) उपर्युक्त में कोई नहीं

44. 'सर्वं खल्विदं ब्रह्म' वचन है-

(A) वेदान्त दर्शन का

(B) केनोपनिषद् का

(C) छान्दोग्य उपनिषद् का

(D) ब्राह्मणग्रन्थ का

45. श्वेतकेतु के पिता थे-

(A) सत्यकेतु

(B) वाजश्रवा

(C) धूमकेतु

(D) आरुणि

46. छान्दोग्योपनिषद् के अध्याय किसमें विभक्त हैं-

(A) खण्डों में

(B) अनुवाकों में

(C) सर्गों में

(D) सूक्तों में

47. आदिगुरू शंकराचार्य का कितनी उपनिषदों पर भाष्य उपलब्ध होता है-

(A) तीन

(B) पाँच

(C) दस

(D) बारह

48. छान्दोग्योपनिषद् में प्रपाठकों (अध्याय) की संख्या है-

(A) दो

(B) चार

(C) छः

(D) आठ

49. छान्दोग्य उपनिषद् किस वेद से संबंधित है-

(A) ऋग्वेद

(B) यजुर्वेद

(C) सामवेद

(D) अथर्ववेद

50. वेदान्त दर्शन में अध्यायों की संख्या है-

(A) चार

(B) आठ

(C) छः

(D) सोलह

51. आदिगुरु शंकराचार्य थे-

(A) अद्वैतवादी

(B) द्वैतवादी

(C) अनेकत्ववादी

(D) त्रैतवादी

52. आदिगुरु शंकराचार्य श्रुतिप्रमाण के रूप में उद्धृत करते हैं-

(A) उपनिषद् को

(B) पुराण को

(C) स्मृतिग्रन्थों को

(D) दर्शनों को

53. बादरायण-कृत वेदान्त दर्शन के सूत्रों को कहा जाता है-

(A) वेदान्तपरिभाषा

(B) वेदान्तसार

(C) ब्रह्मसूत्र

(D) शारीरकभाष्य

54. 'जन्माद्यस्य यतः' सूत्र में 'अस्य' पद से बोध्य है-

(A) जीव

(B) ब्रह्म

(C) जगत्

(D) माया

55. सीपी में रजत-ज्ञान है-

(A) विद्या

(B) अपवाद

(C) संदेह

(D) अध्यास

56. वेदान्त दर्शन का प्रकरण ग्रंथ है-

(A) वेदालोक

(B) वेदार्थपारिजात

(C) वेदान्तसार

(D) उपर्युक्त में कोई नहीं

57. कर्मकाण्ड से संबंधित दर्शन है-

(A) पूर्वमीमांसा

(B) उत्तरमीमांसा

(C) सांख्यदर्शन

(D) योगदर्शन

58. वेदान्तदर्शन प्रमाण मानता है-

(A) दो

(B) चार

(C) छः

(D) आठ

59. अधोलिखित में नास्तिक दर्शन है-

(A) वेदान्त दर्शन

(B) न्यायदर्शन

(C) वैशेषिक दर्शन

(D) चार्वाक दर्शन

60. भामती टीका के रचयिता हैं-

(A) भामह

(B) बादरायण

(C) वाचस्पतिमिश्र

(D) मल्लिनाथ

61. ब्रह्मसूत्र शांकरभाष्य पर लिखित टीका है-

(A) सञ्जीवनी

(B) सर्वङ्कषा

(C) भामती

(D) न्यायबोधिनी

62. वेदान्त उपदेश करता है-

(A) ज्ञान का

(B) कर्मकाण्ड का

(C) योग का

(D) तर्क का

63. मीमांसा दर्शन वेद को मानता है-

(A) क्रियार्थक

(B) निरर्थक

(C) अनित्य

(D) पौरुषेय

64. आदिगुरु शंकराचार्य कहाँ के निवासी थे?

(A) केरल

(B) कर्नाटक

(C) मध्यप्रदेश

(D) कश्मीर

65. कर्मकाण्ड से संबंधित वेद किसे माना जाता है?

(A) ऋग्वेद

(B) यजुर्वेद

(C) सामवेद

(D) अथर्ववेद

66. उपासनाविषयक वेद माना जाता है-

(A) ऋग्वेद

(B) यजुर्वेद

(C) सामवेद

(D) अथर्ववेद

67. मंत्र की दृष्टि से सबसे विशाल वेद है-

(A) अथर्ववेद

(B) यजुर्वेद

(C) ऋग्वेद

(D) सामवेद

68. वेदों की संख्या है-

(A) दो

(B) चार

(C) छः

(D) आठ

69. ब्रह्म जगत् का कारण है-

(A) निमित्तकारण

(B) उपादानकारण

(C) उपर्युक्त दोनों

(D) उपर्युक्त कोई नहीं

70. वेदान्तदर्शन वेद को मानता है-

(A) नित्य

(B) अनित्य

(C) पौरुषेय

(D) दैवत

71. 'शास्त्रयोनित्वात्' सूत्र में शास्त्र शब्द से अभिप्रेत है-

(A) वेद

(B) रामायण

(C) महाभारत

(D) गीता

72. 'जन्मादिः' पद में समास है-

(A) बहुव्रीहि

(B) कर्मधारय

(C) द्वन्द्व

(D) द्विगु

73. 'जन्माद्यस्य यतः' सूत्र में 'यतः' पद से वाच्य है-

(A) जगत्

(B) ब्रह्म

(C) जीव

(D) जिज्ञासा

74. 'जन्माद्यस्य यतः' ब्रह्म का लक्षण है-

(A) स्वरूपलक्षण

(B) तटस्थलक्षण

(C) लक्षण सम्भव नहीं

(D) लक्ष्यलक्षण

75. 'ब्रह्मविदाप्नोति परम्' वचन है-

(A) छान्दोग्य उपनिषद्

(B) तैत्तिरीय उपनिषद्

(C) ईशोपनिषद्

(D) कठोपनिषद्

76. मनुष्यों का प्रमाण-प्रमेय व्यवहार बताया गया है-

(A) पशुओं के समान

(B) ऋषियों के समान

(C) देवताओं के समान

(D) गन्धर्वों के समान

77. धर्मजिज्ञासा से पूर्व अपेक्षित है-

(A) ब्रह्मज्ञान

(B) वेदाध्ययन

(C) सम्प्रदायज्ञान

(D) धार्मिक कट्टरता

78. 'दर्शन' शब्द में प्रत्यय है-

(A) ल्युट्

(B) ल्यु

(C) अण्

(D) अन्

79. दर्शनग्रन्थ किसे प्रमाण मानते हैं?

(A) श्रुति को

(B) स्मृति को

(C) पुराण को

(D) उपर्युक्त सभी

80. ज्ञान होता है-

(A) प्रमाणजन्य

(B) प्रमाजन्य

(C) प्रमेयजन्य

(D) उपर्युक्त सभी

81. जिज्ञासा शब्द में प्रकृति-प्रत्यय हैं-

(A) ज्ञा+सन्

(B) जि+सा

(C) जिज्ञा+सन्

(D) जि+सन्

82. स्वर्गप्राप्ति के लिए साधन माना गया है-

(A) धन को

(B) अच्छे गुणों को

(C) दान को

(D) अग्निहोत्र को

83. 'ज्योतिः' शब्द याग का अर्थ प्रकट करता है

(A) लोक के कारण

(B) मुख्यार्थ के कारण

(C) अर्थवाद के कारण

(D) रूढार्थ के कारण

84. अधोलिखित में किस पात्र का उल्लेख ब्रह्मसूत्र शंकर भाष्य में है?

(A) देवदत्त का

(B) यज्ञदत्त का

(C) श्वेतकेतु का

(D) सत्यकेतु का

85. तप्तपरशुग्रहणमोक्षन्याय द्वारा समझाया गया है-

(A) मोक्ष के अधिकारी को

(B) अविद्या को

(C) जीव को

(D) उपर्युक्त सभी

86. मोक्षोपदेश सम्भव है-

(A) सत्य में निष्ठा रखने वाले को

(B) दुःखी रहने वाले को

(C) सुखी रहने वाले को

(D) भोग विलास में संलिप्त को

87. 'शारीरिक' शब्द का अर्थ है-

(A) देह

(B) जीव

(C) जगत्

(D) प्रकृति

88. अध्यास है-

(A) विद्या

(B) अविद्या

(C) ब्रह्म

(D) उपर्युक्त सभी

89. स्मृतिरूपः परत्र पूर्वदृष्टावभासः लक्षण है-

(A) स्मृति का

(B) श्रुति का

(C) अध्यास का

(D) अनुमान का

90. किस प्रकार के कर्म श्रुति और स्मृति में धर्म नाम से प्रसिद्ध हैं?

(A) शारीरिक

(B) मानसिक

(C) वाचिक

(D) उपर्युक्त सभी

91. ब्रह्मसूत्र के प्रथम सूत्र में 'अथ' शब्द है-

(A) आनन्तर्यवाची

(B) अधिकारवाची

(C) पूर्णतावाची

(D) आरम्भवाची

92. ब्रह्मणः जिज्ञासा यहाँ षष्ठी विभक्ति है-

(A) कर्त्ता में

(B) कर्म में

(C) शेष में

(D) उपर्युक्त सभी

93. 'ब्रह्मजिज्ञासा' शब्द में समास है-

(A) कर्मधारय

(B) तत्पुरुष

(C) द्वन्द्व समास

(D) बहुव्रीहि समास

94. 'अथातो ब्रह्मजिज्ञासा' सूत्र है-

(A) छान्दोग्य उपनिषद् का

(B) वेदान्त दर्शन का

(C) मीमांसा दर्शन का

(D) उपर्युक्त में कोई नहीं

95. आस्तिक दर्शनों की संख्या है-

(A) दो

(B) तीन

(C) पाँच

(D) छः

96. वेदान्तदर्शन का आदिगुरु शंकराचार्य द्वारा लिखित भाष्य कहाता है-

(A) व्यास भाष्य

(B) भोजवृत्ति

(C) शारीरकभाष्य

(D) जैमिनिभाष्य

97. वेदान्त दर्शन के प्रणेता आचार्य हैं-

(A) महर्षि वाल्मीकि

(B) महर्षि बादरायण

(C) शंकराचार्य

(D) कपिल मुनि

98. जीवो ब्रह्मैव नापरः का अर्थ है-

(A) ब्रह्म ही जीव है और कोई नहीं

(B) जीव ही ब्रह्म है और कोई नहीं

(C) जीव ही ब्राह्मण है

(D) जीव और ब्रह्म अलग-अलग हैं

99. ब्रह्म सत्यं जगन्मिथ्या किस दर्शन का प्रमुख प्रतिपाद्य है-

(A) वेदान्त दर्शन

(B) योग दर्शन

(C) न्याय दर्शन

(D) वैशेषिक दर्शन

100. उत्तर-मीमांसा है-

(A) सांख्य दर्शन

(B) मीमांसा दर्शन

(C) वेदान्त दर्शन

(D) योगदर्शन

Rough Work

रफ कार्य

Example :

Question :

Q. 1 Ⓐ ● Ⓒ Ⓓ

Q. 2 Ⓐ Ⓑ ● Ⓓ

Q. 3 Ⓐ ● Ⓒ Ⓓ

5. Each question carries equal marks. Marks will be awarded according to the number of correct answers you have.
6. All answers are to be given on OMR Answer Sheet only. Answers given anywhere other than the place specified in the answer sheet will not be considered valid.
7. Before writing anything on the OMR Answer Sheet, all the instructions given in it should be read carefully.
8. After the completion of the examination candidates should leave the examination hall only after providing their OMR Answer Sheet to the invigilator. Candidate can carry their Question Booklet.
9. There will be no negative marking.
10. Rough work, if any, should be done on the blank pages provided for the purpose in the booklet.
11. To bring and use of log-book, calculator, pager & cellular phone in examination hall is prohibited.
12. In case of any difference found in English and Hindi version of the question, the English version of the question will be held authentic.

Impt. On opening the question booklet, first check that all the pages of the question booklet are printed properly. If there is any discrepancy in the question booklet, then after showing it to the invigilator, get another question booklet of the same series.

उदाहरण :

प्रश्न :

प्रश्न 1 Ⓐ ● Ⓒ Ⓓ

प्रश्न 2 Ⓐ Ⓑ ● Ⓓ

प्रश्न 3 Ⓐ ● Ⓒ Ⓓ

5. प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं। आपके जितने उत्तर सही होंगे, उन्हीं के अनुसार अंक प्रदान किये जायेंगे।
6. सभी उत्तर केवल ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक (OMR Answer Sheet) पर ही दिये जाने हैं। उत्तर-पत्रक में निर्धारित स्थान के अलावा अन्यत्र कहीं पर दिया गया उत्तर मान्य नहीं होगा।
7. ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक (OMR Answer Sheet) पर कुछ भी लिखने से पूर्व उसमें दिये गये सभी अनुदेशों को सावधानीपूर्वक पढ़ लिया जाये।
8. परीक्षा समाप्ति के उपरान्त परीक्षार्थी कक्ष निरीक्षक को अपनी OMR Answer Sheet उपलब्ध कराने के बाद ही परीक्षा कक्ष से प्रस्थान करें। परीक्षार्थी अपने साथ प्रश्न-पुस्तिका ले जा सकते हैं।
9. निगेटिव मार्किंग नहीं है।
10. कोई भी रफ कार्य, प्रश्न-पुस्तिका में, रफ-कार्य के लिए दिए खाली पेज पर ही किया जाना चाहिए।
11. परीक्षा कक्ष में लॉग-बुक, कैल्कुलेटर, पेजर तथा सेल्युलर फोन ले जाना तथा उसका उपयोग करना वर्जित है।
12. प्रश्न के हिन्दी एवं अंग्रेजी रूपान्तरण में भिन्नता होने की दशा में प्रश्न का अंग्रेजी रूपान्तरण ही मान्य होगा।

महत्वपूर्ण : प्रश्न-पुस्तिका खोलने पर प्रथमतः जाँच कर देख लें कि प्रश्न-पुस्तिका के सभी पृष्ठ भलीभाँति छपे हुए हैं। यदि प्रश्न-पुस्तिका में कोई कमी हो, तो कक्षनिरीक्षक को दिखाकर उसी सीरीज की दूसरी प्रश्न-पुस्तिका प्राप्त कर लें।